

Date

15/09/2020

Wednesday

B.Ed IInd Year

Sub - Environment Education

Unit - III

Topic - Introduction to Biodiversity

जैव विविधता की शुरुआत

यदि हम मिट्टी का सूक्ष्मता से अध्ययन करें तो हमें उसमें कई किस्म के पौधे तथा सूक्ष्म जीव दिखाई देंगे, ये सब जैव विविधता के ही उदाहरण हैं।

जैव विविधता शब्द का प्रयोग सबसे पहले वर्ष 1986 में 'बाल्डर जी. रोसेन' ने किया था। वर्ष 1992 में डॉ. 'ओ. बिल्स' ने इसे उपयोग में लाया।

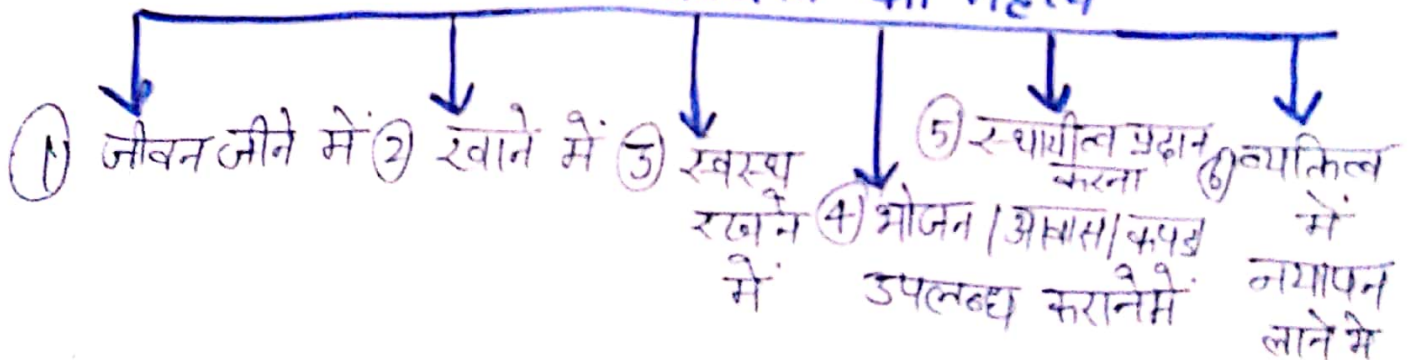
जैव विविधता की परिभाषा

"जैव विविधता का अर्थ है, जीवधारियों (जीव-जन्तुओं और पौधों व तन्स्पतियों की) में विभिन्नता अर्थात् उनके विभिन्न प्रकार।"

जैव विविधता की विशेषताएँ

- 1) जैव विविधता का प्रारम्भ पृथ्वी पर आने से पहले हुआ।
- 2) जैविक विषमता और अनेक पारिस्थितियों का बोध।
- 3) जीवधारियों की विभिन्नता और पर्यावरण से सम्बन्ध।
- 4) जीवधारी की अपनी परिसीमा।
- 5) जैव-विविधता के लिए पारिस्थितिकी तन्त्र उत्तरदायी।

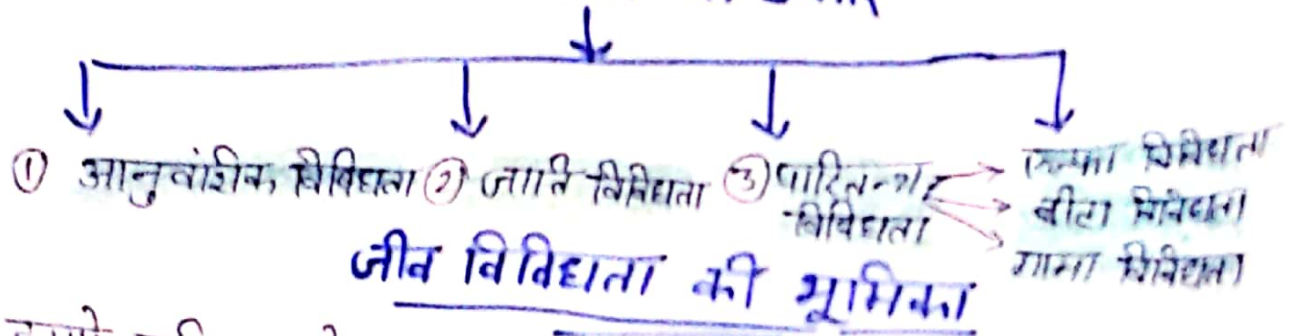
जैव विविधता का महत्व



जैव विविधता की आवश्यकता

- 1- पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में।
- 2- राष्ट्रीय आनुवंशिकता को बनाए रखने में।
- 3- व्यक्तियों की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति में।
- 4- आपस में आन्तरिक सम्बन्ध बनाए रखने के लिए।

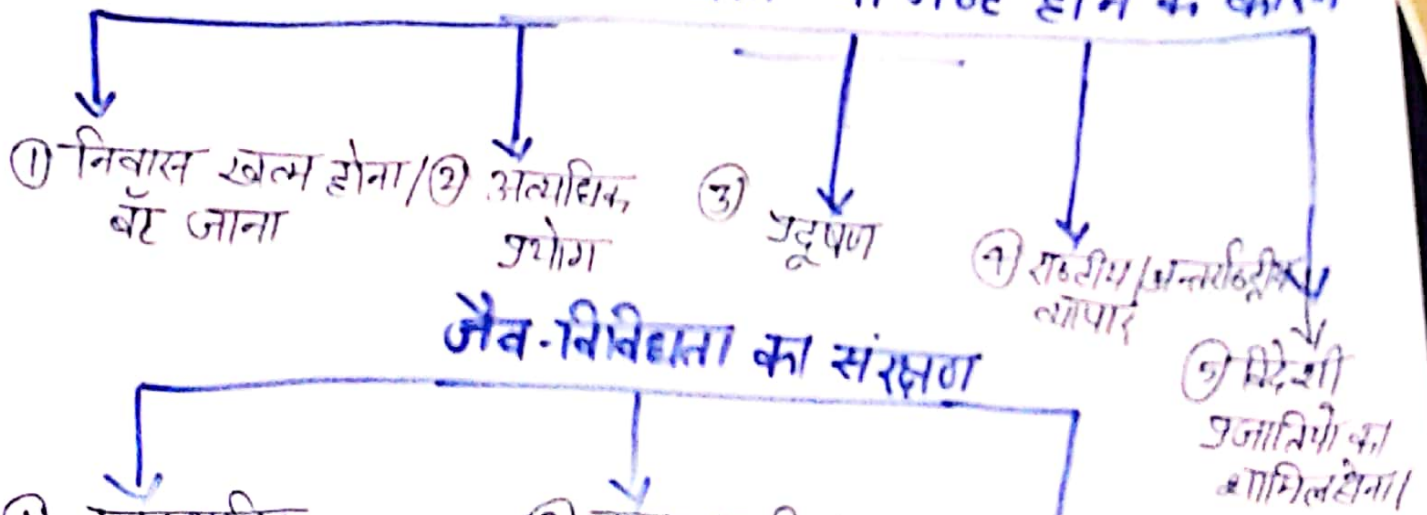
जैव विविधता के प्रकार



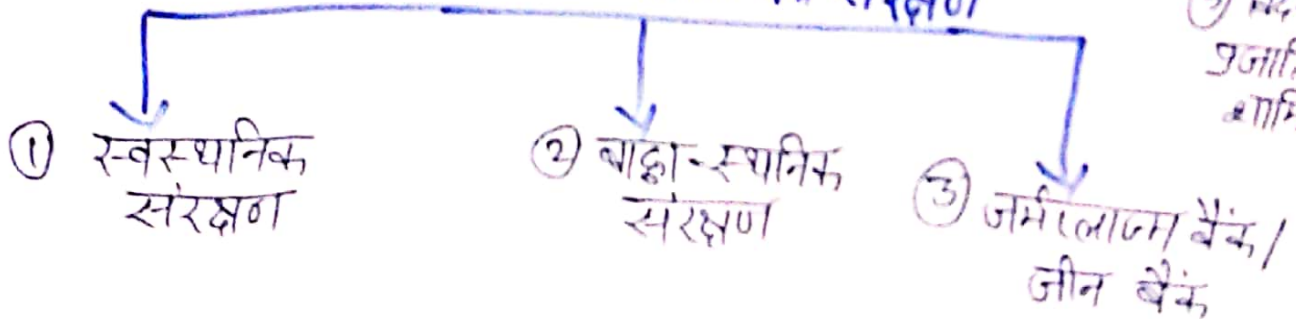
जीव विविधता की भूमिका

हमारे पारितन्त्र के अन्दर हर प्रजाति की एक निश्चित भूमिका है, इसे पारिस्थितिक ज्ञावास कहते हैं।

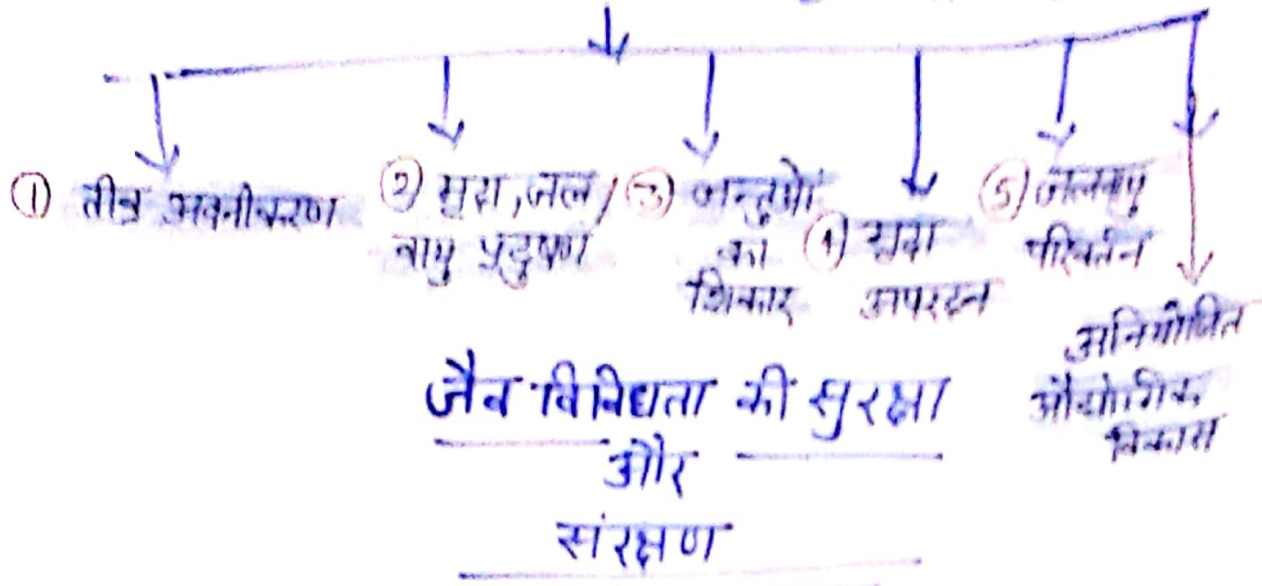
जैव विविधता के नष्ट होने के कारण



जैव-विविधता का संरक्षण



जैव विविधता नष्ट होने के कारण



- ①- अपने घर के बागीचे को जैवविविधता का संरक्षण केन्द्र बनाये।
- ② - पानी का बुद्धिमता पूर्वक प्रयोग।
- ③ - अनचाहे पेड़ों की औपचारिकता से बचे।
- ④ प्लास्टिक, धौले का उपयोग न करे।
- ⑤ स्थानीय दवाइयों का प्रयोग करे।
- ⑥ मिट्टी की सुरक्षा करना।
- ⑦ पुनः चक्रीय - मागजों को पुस्तक, सापियों। ऑफिस में प्रयोग।
- ⑧ कटे-टूटे वृक्ष व झाड़ियों ऐसे ही रहने दें।